>

Title: Need to enhance the salary/honorarium for personnels of VDCs/SPOs/JKAP/JKP.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): उपाध्यक्ष जी, मैं आपकी इजाज़त से अपनी स्टेट जम्मू और कश्मीर का एक महत्वपूर्ण मामला सदन और सरकार के समक्ष रखना चाहता हूँ। आप जानते हैं कि जो विलेज डिफैन्स कमेटीज़ होती हैं, ये जिस समय बनाई गई थीं, इनका काम था कि दिन भर काम करें और काम करने के बाद शाम को उस विलेज के चार आदमी सुरक्षा करेंगे और बाकी लोग अपना काम करेंगे। तब ठीक था। अब क्या स्थिति है कि लगातार एक आदमी जैसे सुबह से काम करता है, वैसी ड्यूटी एक आदमी से ली जाती है।

19.04 hrs. (Shri Varkla Radhakrishnan in the Chair)

जब बराबर ड्यूटी ली जाती है तो आप जो ऑनरेरियम देते हैं, 200 रुपये या 400 रुपये, वह उस आदमी के साथ बहुत बड़ी नाइंसाफी है। अगर वह इंकार करता है तो आप उसको विलेज डिफेन्स कमेटी से बाहर निकाल देते हैं। मेरे कहने का तात्पर्य अगर उस व्यक्ति से सिपाही की तरह काम लिया जाता है तो उसकी तनख्वाह, उसके बच्चों की पढ़ाई, उसकी वर्दी, उसके कपड़े, उसकी बंदूक, उसके जूते, उसके रहने का पूरा इंतज़ाम भी सरकार को करना चाहिए, यह मेरा निवेदन है। उसको ऑनरेरियम नहीं, पूरी तनख्वाह देनी पड़ेगी। इसके साथ ही आपने हमारी स्टेट में एसपीओ लगाए हैं।

महोदय, लगभग 425 बी.डी.एस. वाले और एस.पी.ओज के जवान मारे गए हैं। यह सरकार का आंकड़ा है। चूंकि वे परमानेंट एम्पलाई नहीं हैं, इसलिए उनके परिवार के किसी व्यक्ति को न नौकरी मिल सकती है और न उन्हें सरकार की ओर से कोई और फायदा दिया जा सकता है। इस प्रकार देखें, तो उनका नुकसान ही नुकसान है।

MR. CHAIRMAN : Please conclude within a minute; it is 'Zero Hour' mention only.

चौधरी लाल सिंह : सर, पहले मेरी बात पूरी सुन लीजिए, तब मैं कनक्लूड कर दूंगा।

MR. CHAIRMAN: I am here for a number of times. You please conclude.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: It is for you that I come here and sit here.

...(*Interruptions*)

चौधरी लाल सिंह : सर, मैं कनक्लूड कर रहा हूं। मैं तीसरी बात कहना चाहता हूं कि हमारे जो बाहर के पुलिसकर्मी हैं, उन्हें खुराक के रूप में एक जवान को केवल 450 रुपए प्रति माह मिलते हैं, जबकि सी.आर.पी.एफ. के एक जवान को 1200 रुपए प्रति माह मिलते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि दोनों जवानों को भूख बराबर लगती है। इसलिए मेरा कहना है कि बाहर के पुलिसकर्मी को भी 1200 रुपए मासिक खुराक के रूप में मिलने चाहिए।

महोदय, ये तीनों मसले गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के हैं। इसलिए मेरी रिक्वैस्ट है कि वह इनके ऊपर सिरियसली विचार करे और इन्हें सॉर्ट-आउट करे क्योंकि मैं इनके बारे में हाउस में कई मर्तबा बोल चुका हूं। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपकी बड़ी मेहरबानी। मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं। आपको धन्यवाद देता हूं।